हज़रत मौलाना मुहम्मद सालिम क़ासमी रह0

आप का जन्म 8 जनवरी सन् 1926 ई0 को क़ासमी परिवार में हुआ था और मृत्यु 14 अप्रैल सन् 2018 ई0 को 92 वर्ष की आयु में हुई।

आप हज़रत मौलाना मुहम्मद क़ासिम नानौतवी के पढ़पोते हैं और हज़रत मौलाना क़ारी मुहम्मद तैय्यब साहब के बड़े बेटे हैं। ख़ानदाने क़ासमी के ज्ञान और शिक्षा के ट्रस्टी होने की वजह से लोग आपको ''ख़तीबुल इस्लाम'' की उपाधि से याद करते हैं।

सन् 1948 ई0 में दारुल उलूम देवबन्द से फ़ज़ीलत का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। आपके प्रसिद्ध शिक्षकों में हज़रत मौलाना सैय्यद हुसैन अहमद मदनी, शैखुल अदब हज़रत मौलाना एजाज़ अली रह0, हज़रत मौलाना इब्राहीम बलयावी और हज़रत मौलाना सैय्यद फ़ख़रुल हसन साहब रह0 थे।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद फ़ौरन दारुल उलूम में शिक्षक हो गये और इस अवधि में शुरूआती किताबों से लेकर मिशकातुल मिस्बाह, शरह अक़ायद और अबू दाऊद व सही बुख़ारी तक पढ़ाया।

सन् 1982 ई0 में दारुल उलूम देवबन्द में पैदा होने वाले मतभेदों और विवादों के बाद आपने हज़रत मौलाना सैय्यद अंज़र शाह कश्मीरी के साथ दारुल उलूम वक़्फ़ देवबन्द के नाम से दूसरा दारुल उलूम स्थापित किया। आप सन 1982 ई0 से जीवन के अन्तिम समय तक दारुल उलूम वक़्फ़ देवबन्द के संरक्षक रहे।

आपने केवल शैक्षिक, शिक्षक सेवाएं ही प्रदान नहीं की बल्कि भारतीय मुसलमानों के लिए समाजिक, मिल्ली और न्यायिक सेवाएं भी प्रदान की।

आपके पद और उपाधि से इसका अन्दाजा लगाया जा सकता है।

☆ संरक्षक दारुल उलूम वक़्फ़ देवबन्द
☆ उपाध्यक्ष आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड
☆ संरक्षक इस्लामिक फ़िक़्ह एकेडमी इंडिया
☆ सभापति आल इंडिया मुस्लिम मजलिसे मुशावेरत।
☆ सदस्य शूरा नदवतुल उलेमा लखनऊ
☆ सदस्य अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी कोर्ट (न्यायालय)
☆ स्थायी सदस्य फ़िक़्ह कौंसिल जामिया अज़हर क़ाहिरा, मिस्र

☆☆☆